सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
सुधारीत सत्र पध्दति पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)
अनिवार्य बीजपत्र- 1 आधुनिक गद्य साहित्य
प्रथम सत्र (I Semester)
अध्यापन वर्ष - 2013-14, 2014-15, 2015-16

प्रस्तावना :

आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव-मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य का राग-विराग, तर्क-वितर्क तथा चिंतन-मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यंजित होता है, वैसा अन्य साहित्य विधा में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इस तथ्य का साक्षी है कि प्रौढ़ मन, मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध गद्य का प्रौढ़-शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी वैयक्तिक एवं स्वतंत्र चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य विराट बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन के विकास के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अत: इसका अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यपुस्तकें :

1. लोकऋण (उपन्यास) - विवेकी राय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, संस्करण, 2011, मूल्य - 80
2. कथांतर (कहानी संग्रह)-संपादक परमानंद श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1 दस बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2 दो अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (छ: में से पाँच)	10
प्रश्न. 3 ससंदर्भ व्याख्या (पूरे पाठ्यक्रम पर) (तीन में से दो)	10
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो में से एक)	10
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
सत्र पध्दति पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)
अनिवार्य बीजपत्र- 1 आधुनिक गद्य साहित्य
द्वितीय सत्र (II Semester)
अध्यापन वर्ष - 2013-14, 2014-15, 2015-16

पाठ्यपुस्तकें :

1. कबीरा खड़ा बज़ार में (नाटक) - भीष्म सहानी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अतीत के चलचित्र (रेखाचित्र) - महादेवी वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1 दस बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2 दो अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (छः में से पाँच)	10
प्रश्न. 3 ससंदर्भ व्याख्या (पूरे पाठ्यक्रम पर) (तीन में से दो)	10
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो में से एक)	10
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10

संदर्भ-ग्रंथ-सूची

1. हिंदी कहानी : परंपरा और प्रगति : डॉ. हरदयाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी कहानी : लक्ष्मीनारायण लाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. अंतिम दो दशकों का हिंदी साहित्य : मीरा गौतम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी गद्य : इधर की उपलब्धियाँ : डॉ. पुष्पलाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. बाबराय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता : प्रभाकर श्रोत्रिय, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
7. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी, राजकमल, दिल्ली
8. समकलीन हिंदी साहित्य: विविध परिदृश्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल, दिल्ली
9. हिंदी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. हिंदी नाटक कोश : डॉ. दशरथ ओझा, नेशनल , दिल्ली
11. समकालीन हिंदी कहानी : डॉ. पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंदिगढ़
12. समकालीन हिंदी कहानी : डॉ. कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंदिगढ़
13. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक : डॉ. राणू कदम
14. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक : डॉ. देविदास इंगळे
15. माटी की महक : विवेकी राय व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व : डॉ. सत्यकाम
16. विवेकी राय का सृजन संसार : डॉ. मान्धाता राय
17. टूटते हुए गाँव का दस्तावेज : लोकऋण : डॉ. सर्वजीत राय
18. विवेकी राय के साहित्य में ग्राम जीवन : डॉ. दिलीप भस्मे
19. निवेदिता - 2005, (डॉ. विवेकी राय विशेषांक) : संपादक, डॉ. मान्धाता राय, स्वामी सहजानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
सत्र पध्दति पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)
अनिवार्य बीजपत्र-2 भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
प्रथम सत्र (I Semester)
अध्यापन वर्ष - 2013-14, 2014-15, 2015-16

प्रस्तावना-

साहित्य आद्यंत एक भाषिक निर्मिति है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट, सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषाविज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक ईकाइयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर उनके अंत:संबंधों के विन्यास को आलोकित करके न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है, अपितु भाषा-विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। मूलभाषा व्यवस्था पर आधारित साहित्यिक व्यवस्था की भाषिक प्रकृति की स्वीकृति, प्राचीन भारतीय एवं अधुनातन पाश्चात्य साहित्य चिंतन में समान रूप से लक्षणीय है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भाषा के साहित्येतर, प्रयोजनमूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषा वैज्ञानिक चिंतन का लाभ उतना ही महत्त्वपूर्ण है।

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविध रूप तथा हिंदी में कंप्यूटर सुविधा विषयक जानकारी एवं देवनागरी की विशेषताएँ, विकास और मानकीकरण का विवरण हिंदी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है।

पाठ्यविषय

1) भाषा विज्ञान :

- भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा संरचना और उसके स्तर, भाषा- व्यवस्था और भाषा-व्यवहार।
- भाषा विज्ञान-परिभाषा, स्वरूप एवं व्याप्ति।
- अध्ययन की दिशाएँ- वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

2) स्वन-विज्ञान :

- स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, स्वन की परिभाषा, स्वर एवं व्यंजनों का वर्गीकरण (स्वनों का वर्गीकरण)।

3) रूप विज्ञान :

- रूपविज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप, शब्द और पद।
- रूपिम की अवधारणा एवं उसकी विशेषताएँ।
- रूपिम के भेद : (अ) संरचना की दृष्टि से- मुक्त, आबध्द, संपृक्त।
  (आ) अर्थ की दृष्टि से- अर्थदर्शी और संबंधदर्शी।

4) वाक्य विज्ञान :

- वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप।
- वाक्यार्थ बोध की प्रक्रिया : (अ) अभिहितान्वयवाद
  (आ) अन्विताभिधानवाद
- वाक्य रचना के आधार - चयन, पदक्रम, अध्याहार।
- वाक्य के भेद ।

5) अर्थ विज्ञानः

- अर्थ विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप ।
- अर्थबोध(संकेत ग्रह) के साधन - भारतीय एवं पाश्चात्य विचारकों के मतानुसार।
- अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।
- अर्थ परिवर्तन के कारण।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1 दस बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2 दो अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (छः में से पाँच)	10
प्रश्न. 3 पाँच अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (तीन में से दो)	10
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो में से एक)	10
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
सत्र पध्दति पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)
अनिवार्य बीजपत्र-2 भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
द्वितीय सत्र (II Semester)
अध्यापन वर्ष - 2013-14, 2014-15, 2015-16

हिंदी भाषा:

1) हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

- प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ।
- मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ - पालि, प्राकृत, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ।
- आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण - हार्नले, ग्रियर्सन (अंतिम वर्गीकरण), चटर्जी और हरदेव बहारी द्वारा किया गया वर्गीकरण।

2) हिंदी का भौगोलिक विस्तार (उपभाषाएँ):

- पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी हिंदी, बिहारी हिंदी तथा पहाड़ी हिंदी और उनकी बोलियाँ।

3) हिंदी का भाषिक स्वरूप :

- हिंदी की स्वनिय व्यवस्था -स्वनिम की परिभाषा, स्वनिम निर्धारण, स्वनिम और सहस्वन (संस्वन) में अंतर।
- स्वनिम के भेद - खंड्य, खंड्येतर।
- हिंदी शब्द रचना - उपसर्ग, प्रत्यय, समास।

4) लिपि विज्ञान :

- लिपि का उद्भव और विकास, खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपि का परिचय ।

5) देवनागरी लिपि :

- देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता (विशेषताएँ), देवनागरी लिपि में सुधार, देवनागरी लिपि का मानकीकरण।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1 दस बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2 दो अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (छः में से पाँच)	10
प्रश्न. 3 पाँच अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (तीन में से दो)	10
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो में से एक)	10
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10

संदर्भ-ग्रंथ-सूची

1.	भाषा विज्ञान	: डॉ. भोलानाथ तिवारी
2.	आधुनिक भाषा विज्ञान	: डॉ. भोलानाथ तिवारी
3.	भाषा विज्ञान की भूमिका	: डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
4.	हिंदी भाषा का इतिहास	: डॉ. धीरेंद्र वर्मा
5.	हिंदी भाषा: उद्‌भव और विकास	: डॉ. उदयनारायण तिवारी
6.	हिंदी : उदभव,विकास और रूप	: डॉ. हरदेव बाहरी
7.	नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ	: डॉ.नरेश मिश्र
8.	हिंदी भाषा की लिपि संरचना	: डॉ. भोलानाथ तिवारी
9.	भाषा विज्ञान: सिध्दांत और प्रयोग	: डॉ. अंबाप्रसाद सुमन
10.	भाषा विज्ञान	: डॉ. मनमोहन गौतम
11.	भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र	: डॉ. कपिलदेव त्रिवेदी
12.	नागरी लिपि: रूप और सुधार	: मोहन ब्रिज
13.	भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण	: डॉ. अंबादास देशमुख
14.	भाषा विज्ञान	: डॉ तेजपाल चौधरी
15.	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	: डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय
16.	भाषा विज्ञान के विविध आयाम	: डॉ. अंबादास देशमुख

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
सत्र पध्दति पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)
अनिवार्य बीजपत्र-3 प्रयोजनमूलक हिंदी
प्रथम सत्र (I Semester)
अध्यापन वर्ष - 2013-14, 2014-15, 2015-16

प्रस्तावना :

भाषा मानव जीवन की अनिवार्य सामाजिक वस्तु और व्यावहारिक चेतना है, जिसके दो मुख्य आयाम या प्रकार्य हैं- सौंदर्यपरक और प्रयोजनपरक। भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का संबंध हमारी सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन-व्यवहार से हैं और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज-सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होती है। उत्तरआधुनिक काल में जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्वों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों में उपयोग की जानेवाली प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन विस्तार से अपेक्षित है। इसके विविध आयामों से न केवल रोजगार या जीविका की समस्या हल होगी, अपितु राष्ट्रभाषा तथा राजभाषा का संस्कार भी दृढ़ होगा।

पाठ्यविषय :

कामकाजी हिंदी : सामान्य स्वरूप

1. **हिंदी के विभिन्न रूप :** मातृभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, विश्वभाषा के रूप में हिंदी का अध्ययन।
2. **राजभाषा विषयक संविधानिक प्रावधान :**
   राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक) , राष्ट्रपति के आदेश (1952, 1955, 1960), राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967), राजभाषा संकल्प (1968) (यथानुमोदित 1991), राजभाषा नियम 1976, द्विभाषा नीति और त्रिभाषा सूत्र। हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिंदी की स्थिति। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी, हिंदी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की भूमिका।

3. कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य :

- **प्रारूपण-** प्रारूपण का अर्थ, परीभाषा एवं महत्त्व।

  प्रारूपण की विधि, प्रारूपण के अंग, अच्छे प्रारूपण की विशेषताएँ।

- **टिप्पण (टिप्पणी)-**

  अर्थ एवं परिभाषाएँ।

  टिप्पण के प्रकार, टिप्पण की विशेषताएँ।

- **संक्षेपण-**

  अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप।

  संक्षेपण की अवश्यकता, संक्षेपण विधि, सफल संक्षेपण के गुण, संक्षेपण के प्रकार।

- **विज्ञापन -**

  विज्ञापन - अर्थ, परिभाषा, स्वरूप।

  विज्ञापन लेखन, विज्ञापन अनुवाद।

4. पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप एवं महत्त्व।

5. ज्ञान - विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली तथा वाक्यांश का अध्ययन (परिशिष्ट में निर्धारित)।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1 दस अंग्रेजी शब्दों एवं वाक्याशों के हिंदी पर्यायवाची शब्द (परिशिष्ट के आधार पर)	10
प्रश्न. 2 दो अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (छः में से पाँच)	10
प्रश्न. 3 पाँच अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (तीन में से दो)	10
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो में से एक)	10
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
सत्र पध्दति पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)
अनिवार्य बीजपत्र -3 प्रयोजनमूलक हिंदी
द्वितीय सत्र (II Semester)
अध्यापन वर्ष - 2013-14, 2014-15, 2015-16

पाठ्यविषय :

क) संगणकीय हिंदी : सामान्य स्वरूप

1. संगणक : परिचय, क्षेत्र, रूपरेखा, उपयोग।
2. इंटरनेट : उपकरणों का परिचय, प्रयोग विधि, प्रकार्यात्मक रख-रखाव, इंटरनेट-समय मितव्ययिता के सूत्र।
3. वेब पब्लिशिंग : परिचय एवं महत्त्व ।
4. इंटर एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप।
5. लिंक, ब्राऊजिंग, ई-मेल प्रेषण एवं प्राप्ति, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाऊन लोडिंग एवं अप लोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेअर पैकेज, हिंदी वेब साईडस्, हिंदी वेब पत्रिकाएँ।

ख) जनसंचारीय हिंदी : सामान्य स्वरूप

1. मुद्रित माध्यम :

- मुद्रित भाषा की प्रकृति, समाचार पत्र, पत्रिकाओं में रिपोर्ट (रपट) लेखन, समाचार संपादन (लेखन) के आधारभूत तत्त्व।
- **शीर्षक की संरचना-** लीड, इंट्रो एवं शीर्षक संपादन, शीर्षक के प्रकार।
- संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार लेखन, समाचार लेखन कला।

2. इलैक्ट्रॉनिक माध्यम :

अ) **श्रव्य माध्यम (रेडियो) :** मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर एवं रिपोर्ताज।

ब) **दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं वीडियो) :** दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्ववाचन (वायसओअर) पटकथा लेखन, टेली ड्रामा/डॉक्यू ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा एवं लेखन।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1 दस बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2 दो अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (छः में से पाँच)	10
प्रश्न. 3 पाँच अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (तीन में से दो)	10
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो में से एक)	10
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10

संदर्भ-ग्रंथ-सूची

1. कार्यालयी कार्यबोध : हरिबाबू बंसल, प्रभात प्रकाशन, 205 चावडी बाजार, दिल्ली - 110006
2. प्रारूपण, टिप्पण, प्रूफ पठन : डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ, वाणी प्रकाशन, 21-ए दरियागंज, नई दिल्ली
3. प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिंदी : डॉ. राम प्रकाश एवं डॉ. दिनेशकुमार त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2/38 अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-02
4. प्रयोजनमूलक हिंदी: विविध पारिदृश्य : डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी एवं डॉ. पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, 128/103, जी किदवाई नगर, कानपुर-208011
5. व्यावहारिक राजभाषा : आलोककुमार रस्तोगी, जीवनज्योति प्रकाशन, दिल्ली
6. कंप्यूटर : क्या, क्यों, कैसे? : रामबंसल 'विज्ञाचार्य', वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. कंप्यूटर : सूचना प्रणाली : रामबंसल 'विज्ञाचार्य', वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग : विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. Principals & Ethics of Journalism : Dr. Jan R.Hak Emulder & Other, Anmol Publications Pvt. Ltd. 4374/4B, Ansari Road. Dariyaganji, New Delhi 110002
10. Journalisam Made Simple : David Wainwright Rupa and Co., Henemmann, London (U.K.)

11.	The Elecronic Media	: Edt. Aravind Kumar, Anmol Publications Pvt. Ltd. 4374/4B, Ansari Road. Dariyaganji, New Delhi 110002
12.	Redio & T.V. Journalism	: K.M. Shrivastav, Sterlling Publication Pvt. Ltd. L-10, Green Park Extenstion, New Delhi-11001
13.	नये जनसंचार माध्यम और हिंदी	: सं. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
14.	जनसंचार : विविध आयाम	: ब्रजमोहन गुप्त
15.	प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रासंगिकता एवं परिदृश्य	: डॉ. नागलक्ष्मी
16.	प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम	: डॉ. अंबादास देशमुख

एम.ए.भाग-1

अनिवार्य बीज पत्र-3 प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रथम सत्र (I Semister)

परिशिष्ट

ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की शब्दावली और वाक्यांश

अ) ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की शब्दावली

1.	Abbreviation	संक्षेप / संक्षेपण
2.	Abstract	1. सार, 2. सक्षिप्ति (विधि)
3.	Advance	अग्रिम
4.	Advertisement	विज्ञापन
5.	Academy	अकादमी
6.	Accuse	अभियोग लगाना
7.	Acquire	अर्जन करना
8.	Admission	1. अभिस्वीकृति, 2. प्रवेश / दाखिला
9.	Animal Husbandry	पशुपालन
10.	Archaeology	1. पुरातत्त्व, 2. पुरातत्त्व विज्ञान
11.	Associate Member	सह-सदस्य
12.	At Random	यादृच्छिक
13.	Backward Classes	पिछडे वर्ग
14.	Ballot	1. मतपत्र/मतपर्ची, 2. मतदान
15.	Balance Sheet	तुलना पत्र
16.	Barter	वस्तु विनिमय
17.	Bibliography	संदर्भ-ग्रंथ सूची
18.	By-law	उपविधि
19.	Calculation	गणना/गिनती/परिकलन
20.	Cash	रोकड/नगदी/नकदी
21.	Catalogue	सूची पत्र
22.	Corporation	निगम

23.	Cost	लागत
24.	Customs	सीमाशुल्क
25.	Demand Letter	माँग पत्र
26.	Deduction	कटौती / घटाना
27.	Department of Rehabilitation	पुनर्वास विभाग
28.	Destination	गंतव्य / लक्ष्य
29.	Dignity	गौरव / मर्यादा / गरिमा
30.	Directorate General	महानिदेशक
31.	Dividend	लाभांश
32.	Division Bench	खंड (न्याय) पीठ
33.	Duration	अवधि
34.	Efficiency	दक्षता / कार्यपटुता
35.	Endorsement	पृष्ठांकन
36.	Estates Duty Officer	संपदा शुल्क अधिकारी
37.	Evaluation	मूल्यांकन
38.	Exchange	विनिमय
39.	Export	निर्यात
40.	Extraordinary	असाधारण
41.	Excise	1. उत्पादन शुल्क, 2. अबकारी
42.	Expansion	विस्तार / प्रसार / प्रसरण
43.	Ex-President	1. भूतपर्व राष्ट्रपति, 2. भूतपूर्व अध्यक्ष
44.	Extract	उद्धरण
45.	Extra-curricular	पाठ्येतर/पढ़ाई के अतिरिक्त
46.	Fabricate	1. गढ़ना, 2. निर्माण करना
47.	Fair Price	उचित मूल्य / उचित भाव
48.	Family planning Centre	परिवार नियोजन केंद्र
49.	Fellowship	अध्येतावृत्ति

50.	Follow-up	अनुवर्तन
51.	Financial	वित्तीय / वित्तसंबंधी / वित्त
52.	Finger print Examiner	अंगुली-छाप परीक्षक
53.	Flight	उड़ान
54.	Flood investigation Division	बाढ अन्वेषण प्रभाग
55.	Fundamental	मूल/मौलिक/आधारभूत
56.	Further action	आगे की कार्यवाही / अगली कार्यवाही
57.	Gallantry award	शौर्य पुरस्कार
58.	Gradation list	पदक्रम सूची
59.	Gross value	कुल मूल्य / सकल मूल्य
60.	Guidance	मार्गदर्शन / निर्देशन
61.	Gunner	तोपची
62.	Halting allowance	विराम भत्ता
63.	Handicraft	दस्तकारी / हस्तकला / हस्तशिल्प
64.	Handloom	हाथ करघा
65.	Head Despatcher	प्रधान प्रेषक
66.	Heavy Industry	भारी उद्योग
67.	His Majesty	महामहिम
68.	His Excellency	परम श्रेष्ठ
69.	House of People	लोकसभा
70.	Identification	पहचान / शिनाख्त
71.	Index Number	सूचकांक
72.	Insurance	बीमा
73.	Investment	निवेश
74.	Joining date	कार्यग्रहण तारीख / कार्यारंभ तारीख
75.	Journal	1.दैनिकी / रोजनामचा, 2. पत्रिका
76.	Kindergaten teacher	बालवाडी शिक्षक

77.	Labour welfare	श्रम कल्याण / श्रमिक कल्याण
78.	Last Pay Certificate	अंतिम वेतन पत्र
79.	Legislative Assembly	विधान सभा
80.	Legislative council	विधान परिषद
81.	Manifesto	घोषणा पत्र
82.	Mayor	महापौर
83.	Meteorologist	मोसमी विज्ञानी
84.	Nationalization	राष्ट्रीयकरण
85.	Nominee	जामिती/मनोनीत व्यक्ति / नामित व्यक्ति
86.	Official version	सरकारी कथन / अधिकारिक कथन
87.	Ophthamologist	नेत्र विज्ञानी
88.	Partition	विभाजन / बँटवारा
89.	Postmortem	शवपरीक्षा
90.	Preface	प्रस्तावना
91.	Prospective customer	संभावित ग्राहक
92.	Proceedings	कार्यवाही
93.	Quality control officer	गुणता नियंत्रण अधिकारी
94.	Quotation	भाव / दर
95.	Registration	पंजीकरण
96.	Senate	वरिष्ठ सभा
97.	Statute	कानून / संविधि
98.	Sale account	विक्रय लेखा / विक्री लेखा
99.	Validity	वैधता
100.	Viva-Voce	मौखिक परीक्षा

आ) वाक्यांश

1.	Acting in good faith	सद्भाव से कार्य करते हुए
2.	After consultation	से परामर्श करके
3.	Approved as proposed	यथा प्रस्ताव अनुमोदित
4.	As modified	यथा अशोधित / तरमीम के साथ
5.	Background	मामले की पृष्ठभूमि
6.	Beg to state	निवेदन है
7.	Circulate and then file	संबंधित व्यक्तियों को दिखाकर फाईल कर दीजिए
8.	During the course of discussion	विचार-विमर्श के दौरान/चर्चा के दौरान
9.	Early orders are solicited	शीघ्र आदेशों की प्रार्थना है
10.	Explained in your letter	आपके पत्र में स्पष्ट किया गया
11.	Follow up action	अनुवर्ती कार्यवाही
12.	For favour of doing the needful	यथावश्यक कार्यवाही की कृपा के लिए/ कृपया आवश्यक कार्यवाही की जाए
13.	For sympathetic	सहानुभूतिपूर्वक विचार के लिए
14.	Hard and fast rule	पक्का नियम
15.	Has no comments to make	को कोई टीका नहीं करनी है
16.	Hold in abeyance	रोक रखना /स्थगित रखना
17.	Hold lien on Post	पद पर पुनर्ग्रहणाधिकारी होना
18.	I am desired to say	मुझे निवेदन करने के लिए कहा गया है
19.	I beg to submit	निवेदन है कि
20.	I fully agree to the office note	कार्यालय की टिप्पणी से मैं पूर्णत: सहमत हूँ
21.	In anticipation	की प्रत्याशा में
22.	In confirmation	की पुष्टि में
23.	In consultation	से परामर्श करके
24.	In detail	विस्तार से / ब्योरेवार

25.	In particular	विशेषत: / ख़ासकर
26.	In prosecution of	के चलान में / की पूर्ति करने में
27.	In the circumstances of	की परिस्थितियों में
28.	In the prescribed manner	विहित रीति से / निर्धारित ढंग से / निर्धारित रीति से
29.	In view of	को ध्यान से देखते हुए / की दृष्टि से / को ध्यान में रखकर
30.	Instructions are solicited	कृपया अनुदेश दें
31.	It is suggested	यह सुझाव दिया जाता है / सुझाव है
32.	Justification for the proposal	प्रस्ताव का औचित्य
33.	Keep in abeyance	मूलवती रखा जाए
34.	Lay before	समक्ष रखना / सामने रखना
35.	May be excused	क्षमा किया जाए / क्षमा करें
36.	May be requested to clarify	से स्पष्टीकरण की प्रार्थना करें
37.	By all means	निस्संदेह / अवश्यमेव
38.	May be obtained	प्राप्त किया जाय / प्राप्त करें
39.	Needs no comments	टिप्पणी की आवश्यकता नहीं
40.	Notice in writing	लिखित सूचना
41.	Not transferable	अहस्तांतरणीय
42.	No reference is coming	पिछला निर्देश नहीं मिल रहा है
43.	On an average	औसतन
44.	Order communicated	आदेश भेज दिया गया
45.	Order may be issued	आदेश जारी कर दिया जाए
46.	Out today	आज ही भेजिए
47.	On grounds of	के आधार पर
48.	Paper for disposal	निपटाने के लिए कागज
49.	Passed for payment	भुगतान के लिए पास किया

50.	Please expedite compliance	शीघ्र अनुपालन कीजिए
51.	Please hand over your charage to shri	कृपया अपना कार्यभार श्री को सौंप दे
52.	Put up	प्रस्तुत कीजिए/ पेश कीजिए
53.	Quoted below	नीचे उद्धृत
54.	Reference is invited to	को देखिए / को देखने का कष्ट करें
55.	Referred to as	के नाम से निर्दिष्ट
56.	Reinstated in service	नौकरी बहाल की गई
57.	Required to be recitified	अनुसमर्थन अपेक्षित है
58.	Sanctioned as proposed	प्रस्ताव के अनुसार मंजूर / यथा प्रस्ताव संस्वीकृत
59.	Self contained note	स्वत: पूर्ण टिप्पणी
60.	Steps may be taken	कदम उठाए जाएँ / उपाय किए जाएँ
61.	Submitted for perusal	अवलोकनार्थ प्रस्तुत
62.	Status quo	यथापूर्व स्थिति
63.	Take for granted	मान लेना / मानकर चलना
64.	The proposal is quite in order	यह प्रस्ताव बिलकुल ठीक है
65.	Through oversight	नजर चूक जाने से / भूल जाने से
66.	To the point	विषयानुकूल / सुसंगत / प्रासंगिक
67.	Under his hand and seal	अपने हस्ताक्षर और मुद्रासहित
68.	Under intimation to this office	इस कार्यालय को सूचना देते हुए
69.	Verified and found correct	पडताल की और ठीक पाया
70.	Vide letter No.	पत्र संख्या देखिए
71.	We are not concerned with this	इसका हमसे संबंध नहीं है
72.	With due regard to	का सम्यक ध्यान रखते हुए
73.	With full particulars	पूरे ब्योरे सहित / पूरे विवरण के साथ
74.	Without any further reference	बिना और किसी निर्देश के
75.	Will you please state	कृपया बताएँ

76.	With regard to	के बारे में / के संबंध में
77.	Without fail	अवश्य / बिना चूक
78.	It may further be added	यह भी बताया जाता है / यह भी बताना उचित होगा / साथ ही
79.	Initiative to take	सूत्रपात करना / पहल करना
80.	Incumbent upon to be	के लिए लाजिम होना
81.	In his discretion	स्वविवेक से / अपनी समझ से
82.	In official capacity	पद की हैसियत से
83.	It that respect	तद्विषयक / उस बारे में
84.	Manner in the prescribed	विहित रीति से / निर्धारित ढंग से / विहित तरीके से
85.	Lay down	निर्धारित करना
86.	No action	कोई कार्यवाही / किसी कार्यवाही की आवश्यकता नहीं
87.	No objection certificate	अनापत्ति पत्र
88.	Not traceable	पता नहीं लग रहा है
89.	No demand certificate	बेबाकी पत्र
90.	Pros and cons	पक्ष-विपक्ष / आगा-पीछा
91.	Take over	ले लेना / कार्यभार संभालना
92.	In consequence of	के परिणाम /के फलस्वरुप
93.	By virtue of fact	के नाते / की हैसियत से
94.	As a matter of fact	यथार्थत: / वस्तुत:
95.	In order of priority	प्राथमिकता के क्रम से / अग्रता के क्रम से
96.	Above said	उपर्युक्त
97.	Copy enclosed	प्रतिलिपि संलग्न है
98.	As a result of	के फलस्वरुप
99.	During this period	इस अवधि में
100.	May be filed	फाईल कर दिया जाए

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
सत्र पध्दति पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 4 (साहित्यिक वर्ग)
विशेष रचनाकार : कबीर
प्रथम सत्र (I Semester)
अध्यापन वर्ष - 2013-14, 2014-15, 2015-16

प्रस्तावना :

हिंदी के उन कालजयी रचनाकारों का विशेषाध्यन करना आवश्यक है, जिन्होंने चिंतन और सर्जन के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान दिया है और जिनका लेखन आज भी प्रासंगिक है।

पाठ्यविषय

अ) विशेष रचनाकार : कबीर

1) कबीर व्यक्तित्व
2) कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी, (पदसंख्या 1 से 125)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1 दस बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2 दो अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (छः में से पाँच)	10
प्रश्न. 3 ससंदर्भ व्याख्या (पूरे पाठ्यक्रम पर) (तीन में से दो)	10
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो में से एक)	10
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
सत्र पध्दति पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 4 (साहित्यिक वर्ग)
विशेष रचनाकार : कबीर
द्वितीय सत्र (II Semester)
अध्यापन वर्ष - 2013-14, 2014-15, 2015-16

पाठ्यविषय-

आ) विशेष रचनाकार : कबीर

1) कबीर कृतित्त्व
2) कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी, पदसंख्या 126 से 256

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1 दस बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2 दो अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (छः में से पाँच)	10
प्रश्न. 3 ससंदर्भ व्याख्या (पूरे पाठ्यक्रम पर) (तीन में से दो)	10
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो में से एक)	10
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10

संदर्भ-ग्रंथ-सूची

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली.
2. कबीर की सौंदर्य भावना : डॉ. ब्रजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. कबीर चिंतन : डॉ. ब्रजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. कबीर : विजयेंद्र स्नातक शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. कबीर काव्य कोश : डॉ. वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. कबीर : साहित्य साधना और पंथ : डॉ. वासुदेव सिंह, संजय प्रकाशन, वाराणसी
7. कबीर : रमेशचंद्र मिश्र, प्रकाशन विभाग, दिल्ली.
8. कबीर : पारसनाथ तिवारी, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
9. युग पुरूष कबीर : डॉ. रामचंद्र वर्मा
10. कबीर की विचारधारा : गोविंद त्रिगुणायत
11. कबीर के आलोचक : धर्मवीर

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
सत्र पध्दति पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 4 (साहित्यिक वर्ग)
विशेष रचनाकार : सुमित्रानंदन पंत
प्रथम सत्र (I Semester)
अध्यापन वर्ष - 2013-14, 2014-15, 2015-16

पाठ्यविषय-

अ) विशेष रचनाकार :

1) सुमित्रानंदन पंत : व्यक्तित्त्व
2) छायावादी काव्य
3) रचनाएँ - अ) पल्लव
   आ) गुंजन

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1 दस बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2 दो अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (छ: में से पाँच)	10
प्रश्न. 3 ससंदर्भ व्याख्या (पूरे पाठ्यक्रम पर) (तीन में से दो)	10
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो में से एक)	10
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
सत्र पध्दति पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 4 (साहित्यिक वर्ग)
विशेष रचनाकार : सुमित्रानंदन पंत
द्वितीय सत्र (II Semester)
अध्यापन वर्ष - 2013-14, 2014-15, 2015-16

पाठ्यविषय-

आ) विशेष रचनाकार :

1) सुमित्रानंदन पंत : कृतित्त्व
2) प्रगतिवादी काव्य
3) रचनाएँ - अ) युगवाणी
आ) ग्राम्या

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1 दस बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2 दो अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (छः में से पाँच)	10
प्रश्न. 3 ससंदर्भ व्याख्या (पूरे पाठ्यक्रम पर) (तीन में से दो)	10
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो में से एक)	10
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10

संदर्भ-ग्रंथ-सूची

1)छायावाद	:	नामवर सिंह
2)हिंदी साहित्य बीसवीं शताब्दी	:	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
3)सुतित्रानंदन पंत : जीवन और साहित्य	:	शांति जोशी
4)छायावाद की प्रासंगिकता	:	रमेशचंद्र शाह
5)छायावाद पुनर्मुल्यांकन	:	सुमित्रानंदन पंत
6)पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण	:	रामधारी सिंह 'दिनकर'
7)सुतित्रानंदन पंत	:	डॉ. नगेंद्र
8)हिंदुस्तानी (त्रैमासिक) अक्टूबर - दिसंबर, 2000	:	संपादक, हरिमोहन मालवीय

9)सुमित्रानंदन पंत ग्रंथावली

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
सत्र पध्दति पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)
वैकल्पिक प्रश्नपत्र- 4
व्यवसायिक वर्ग: पत्रकारिता
प्रथम सत्र (I Semester)
अध्यापन वर्ष - 2013-14, 2014-15, 2015-16

प्रस्तावना-

पत्रकारिता आज जीवन-समाज का धड़कन बन गई है। सिमटते विश्व में स्नायू-तंतुओं के समान काम कर रही है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं; प्रिंट मीडिया, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकसित स्वरूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। साहित्यिकता के साथ-साथ रोजगारपरकता की आकांक्षा की पूर्ति भी इससे होती है। पुनर्जागरण, स्वतंत्रता, समता, बंधुता, नारी तथा दलित जागरण में इसकी क्रांतिकारी भूमिका रही है। अत: इसका अध्ययन आज की अनिवार्यता बन जाती है।

पाठ्यविषय

1. पत्रकारिता: परिभाषा, स्वरूप और प्रकार।
2. भारत में पत्रकारिता का आरंभ।
3. हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास
4. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पध्दति।
5. समाचार के विभिन्न स्रोत।
6. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्त्व : समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।
7. संपादन कला के सामान्य सिद्‌धांत : शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया।
8. पत्रकारिता सें संबंधित लेखन : संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन आदि की प्रविधि।
9. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1 दस बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2 दो अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (छः में से पाँच)	10
प्रश्न. 3 पाँच अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (तीन में से दो)	10
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो में से एक)	10
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
सत्र पध्दति पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)
वैकल्पिक प्रश्नपत्र- 4
व्यवसायिक वर्ग: पत्रकारिता
द्वितीय सत्र - (II Semester)
अध्यापन वर्ष - 2013-14, 2014-15, 2015-16

पाठ्यविषय

1. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला : प्रूफ शोधन, ले आऊट, पृष्ठ सज्जा।
2. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।
3. मुक्तप्रेस की अवधारणा, प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।
4. प्रेस संबंधी कानून तथा आचार संहिता।
5. हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ।
6. पत्रकारिता का प्रबंधन- प्रशासनिक व्यवस्था, विक्री तथा वितरण व्यवस्था।
7. पत्रकारों के विभिन्न संगठन।
8. रेडियो तथा दूरदर्शन की माध्यमगत विशेषताएँ एवं सीमाएँ।
9. रेडियो केंद्र तथा दूरदर्शन चैनलों का सामान्य परिचय।
10. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1 दस बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2 दो अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (छ: में से पाँच)	10
प्रश्न. 3 पाँच अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (तीन में से दो)	10
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो में से एक)	10
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10

संदर्भ-ग्रंथ-सूची

1.	पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न	: कृष्णबिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2.	हिंदी पत्रकारिता का बृहत् इतिहास	: अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3.	पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य	: राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4.	समकालीन पत्रकारिता: मूल्यांकन और मुद्दे	: राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5.	हिंदी पत्रकारिता: स्वरूप और संदर्भ	: डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6.	हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार	: डॉ. ठाकुरदत्त आलोक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7.	पत्रकारिता संदर्भ कोश	: डॉ. सुधींद्रकुमार, डॉ. रामप्रकाश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8.	राष्ट्रीय नव जागरण और हिंदी पत्रकारिता	: मीरा रानी पाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9.	अग्रलेख	: घनश्याम पंकज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10.	संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग	: डॉ. लक्ष्मीकांत पांडे, साहित्य रत्नालय, 37/50, गिलिश बाजार, कानपुर
11.	पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य	: राजकिशोर, साहित्य सहकार, ई-10/4, कृष्णनगर, दिल्ली - 110051
12.	समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला	: डॉ. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, 23/4761, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली - 110002
13.	हिंदी पत्रकारिता और कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	: डॉ. विश्वास पाटील, साहित्य निलय, 39, बौध्दनगर, नोबस्ता, कानपुर - 21
14.	हिंदी की सर्वोदय पत्रकारिता	: डॉ. मृदुला गर्ग, विद्या प्रकाशन, 125/64, के ए.टी.सी. गोविंदनगर, कानपुर-6
15.	पत्रकारिता की विभिन्न धाराएँ	: डॉ. निशांत सिंह, राधा पब्लिकेशन, 4378/4 8,अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
16.	समाचार एवं प्रारूप लेखन	: डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेशकुमार गुप्त, राधाकृष्ण, दिल्ली
17.	पत्रकारिता का विकास	: एन.सी.पंत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
18.	प्रारूपण, शासकीय पत्राचार विधि और टिप्पण लेखन	: राजेंद्रप्रसाद श्रीवास्तव, सुलभ प्रकाशन, 17, अशोक मार्ग, लखनऊ
19.	प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य	: डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, डॉ. पवन अग्रवाल , अलका प्रकाशन 128/106 जी, किदवाई नगर, कानपुर-11

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
सत्र पध्दति पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)
वैकल्पिक प्रश्नपत्र- 4
व्यवसायिक वर्ग : दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन
प्रथम सत्र (I Semester)
अध्यापन वर्ष - 2013-14, 2014-15, 2015-16

प्रस्तावना-

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में इलैक्ट्रानिक मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो गई है। हिंदी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक स्तरीय प्रयोग तभी हो सकता है जब इन दृश्य-श्रव्य माध्यमों से संबंधित विधाओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत रोजगारपरक है।

पाठ्यविषय

1. माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
2. हिंदी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास।
3. रेडियो नाटक की प्रविधि।
4. रंग नाटक, पाठ्य नाटक और रेडियो नाटक में अंतर।
5. रेडियो नाटक के प्रमुख भेद-रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियो फैंटेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डाक्यूमेंट्री फीचर)
6. टीवी नाटक की तकनीक, टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डॉक्यू ड्रामा तथा टीवी धारावाहिक में साम्य-वैषम्य। संचार माध्यम के विविध रूप।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1 दस बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2 दो अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (छ: में से पाँच)	10
प्रश्न. 3 पाँच अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (तीन में से दो)	10
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो में से एक)	10
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
सत्र पध्दति पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)
वैकल्पिक प्रश्नपत्र- 4
व्यवसायिक वर्ग : दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन
द्वितीय सत्र (II Semester)
अध्यापन वर्ष - 2013-14, 2014-15, 2015-16

पाठ्यविषय-

1. साहित्यिक विधाओं की दृश्य-काव्य रूपांतरण कला, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि।
2. संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों का स्वरूप एवं प्रकार।
3. संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा।
4. विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि।
5. संचार माध्यमों की भाषा।
6. हिंदी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1 दस बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2 दो अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (छः में से पाँच)	10
प्रश्न. 3 पाँच अंक वाले लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (तीन में से दो)	10
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो में से एक)	10
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10

संदर्भ-ग्रंथ-सूची

1. नये जनसंचार माध्यम और हिंदी : सं. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मीडिया और बजारवाद : रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मीडिया जनतंत्र और आतंकवाद : सं. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. टेलीविज़न लेखन : असगर वजाहत, प्रभात रंजन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. जनसंचार : विविध आयाम : ब्रजमोहन गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. रेडियो नाटक की कला : डॉ. सिध्दनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. रेडियो वार्ता शिल्प : डॉ. सिध्दनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. आधुनिक विज्ञापन : प्रेमचंद पातंजलि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. संचार माध्यमों में हिदी का प्रयोग : डॉ. लक्ष्मीकांत पांडे, कानपुर
10. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रासंगिकता एवं परिदृश्य : डॉ. सु. नागलक्ष्मी, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
11. कथा-पटकथा : मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली